Download UPPSC/UPPCS Mains 2019 Optional Exam Question Paper

"Hindi Literature (Paper 1)"

"Held on 26-09-2020"

Downloaded from: http://studymarathon.com/

No. of Printed Pages : 2

Serial No.

GLPC – 32/19-Paper-I

हिन्दी–साहित्य (प्रश्न–पत्र – I)

HINDI LITERATURE (Paper – I)

निर्धारित समय : तीन घंटे] [अधिकतम अंक : 200

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 200

विशेष अनुदेश : (i) कुल पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं ।

(iii) प्रश्न पत्र के दो खण्ड हैं और प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(iv) प्रश्न पत्र में प्रश्न संख्या एक (1) और प्रश्न संख्या पाँच (5) अनिवार्य है ।

खण्ड – अ

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए ।

1. (क) पुरानी हिंदी के स्वरूप को रेखांकित करते हुए पुरानी हिंदी के दो उदाहरण दीजिए । 15

(ख) "अपभ्रंश में विपुल साहित्य है ।" किन्हीं दो अपभ्रंशों के दो-दो उदाहरण देकर अपने मत को स्पष्ट कीजिए । 15

(ग) राजभाषा और राष्ट्रभाषा के पार्थक्य को स्पष्ट करते हुए, राजभाषा के वर्तमान स्वरूप पर प्रकाश डालिए । 10

2. (क) अवधी का काव्यभाषा के रूप में विकास पर एक टिप्पणी लिखिए । 1

(ख) साहित्यिक हिंदी के वर्तमान साफ-सुथरे रूप के निर्माण में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान को रेखांकित कीजिए । 1

(ग) "हिंदी आज सम्पर्क साधने की भाषा के रूप में विकसित हो रही है ।" आप इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपना मत स्थापित कीजिए ।

Downloaded from: http://studymarathon.com/

3. (क) 'बुन्देली' का क्षेत्र स्पष्ट करते हुए उसकी व्याकरणिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

(ख) मानक हिन्दी के स्वरूप पर प्रकाश डालिए तथा मानक हिन्दी-लेखन और अखबार-लेखन के पार्थक्य को रेखांकित कीजिए। 15

(ग) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए। 10

(क) देवनागरी लिपि के उद्भव और विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 15

(ख) हिन्दी शब्द सम्पदा के परिविस्तार पर विचार कीजिए। तत्सम, तद्भव और विदेशी शब्दों के किस रूप ने हिन्दी को अधिक समृद्ध किया है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 15

(ग) 'तत्सम' के 'तद्भव' रूप निर्माण में किन कारणों का योगदान रहता है? स्पष्ट कीजिए। 10

खण्ड – ब

5. (क) हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के योगदान पर प्रकाश डालिए। 15

(ख) 'आदिकाल' के नामकरण पर विविध साहित्यकारों के मत स्पष्ट कीजिए। 15

(ग) 'छायावाद' के नामकरण पर साहित्यकारों की मान्यताओं पर प्रकाश डालिए तथा छायावाद की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 10

6. (क) "भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग कहा जाता है।" इस कथन को प्रमाणित कीजिए। 15

(ख) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 15

(ग) 'प्रयोगवाद' की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

(क) 'बाबू देवकीनंदन खत्री उपन्यास साहित्य के पुरोधा समझे जाते हैं।' इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपना मत स्थापित कीजिए।

(ख) हिन्दी नाटक की विकास यात्रा में बाबू हरिश्चंद्र के योगदान पर विचार कीजिए।

(ग) "हिन्दी निबंध और हरिशंकर परसाई" शीर्षक से एक टिप्पणी लिखिए।

(क) डॉ. नामवर सिंह की आलोचकीय दृष्टि को रेखांकित कीजिए।

(ख) जीवनी और आत्मकथा के पार्थक्य को रेखांकित करते हुए दोनों के पार्थक्य के बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) हिन्दी यात्रा वृत्तांत के परिप्रेक्ष्य में अज्ञेयजी का परिचय दीजिए।

Downloaded from: http://studymarathon.com/